80 YEARS OF THE UNITED NATIONS

The United Nations (UN) has stood as a symbol of multilateralism and international cooperation. India's deepening engagement with the UN is based on its steadfast commitment to multilateralism and dialogue as the key for achieving shared goals and addressing common challenges faced by the global community.

Department of Posts has previously released commemorative postage stamps on the UN's 9th, 40th, 50th, and 75th anniversaries in 1954, 1985, 1995, and 2020, respectively. Department of Posts and the United Nations Postal Administration jointly issued stamps for the UN Women HeForShe solidarity movement in 2016. United Nations Postal Administration released a commemorative Diwali stamp in 2018 and a definitive stamp on the occasion of the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi in 2019.

India and the UN share a commitment to multilateralism and dialogue, viewing them as essential to meeting global challenges. As the world's largest democracy and an active member of the UN, India has advanced UN goals in peacebuilding and peacekeeping, sustainable development, poverty alleviation, climate action, disarmament, human rights, health, migration, cybersecurity, space, and frontier technologies like Artificial Intelligence.

Over recent years, India's engagement with the UN has expanded in scope. In 2025, India hosted the "Conference on Women Peacekeepers from the Global South" in New Delhi, bringing together women peacekeepers from 35 countries to address gender-inclusive peace operations. India remains one of the largest contributors to UN peacekeeping, with more than 290,000 Indian peacekeepers deployed on over 50 missions to date.

Milestones in this relationship include:

•1945 : India became a signatory to the United Nations Charter

•1948: India endorsed the Universal Declaration of Human Rights

•1950: India was first elected to the UN Security Council

•1973: India acceded to the Biological Weapons Convention

•1980: India ratified the Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women

•1993: India joined the Chemical Weapons Convention

•2000: India adopted the Millennium Declaration

•2007: 2 October, the birth anniversary of Mahatma Gandhi, was declared the International Day of Non-Violence

•2014: 21 June was declared the International Day of Yoga

•2015: India endorsed the 17 Sustainable Development Goals and ratified the Paris Agreement on climate change

•2021-22: India's eighth term in the UN Security Council, as a rule-abiding democracy and a positive contributor to the security of the global commons

India's global conduct, which is rooted in the fundamental principle of 'Vasudhaiva Kutumbakam,' – which means 'world is one family' – resonates powerfully in the halls of the United Nations. During the COVID-19 pandemic, India upheld this principle by providing essential medicines and vaccines to more than 150 countries. At the 80th session of the UN General Assembly in September 2025, India urged that every member state that can make this world a better place must have the opportunity to do its utmost.

To celebrate 80 Years of the United Nations, a nationwide stamp design competition was organized by the Department of Posts in collaboration with Ministry of External Affairs and MyGov. Approximately 7.4 lakh students participated, creatively expressing India's vision of global leadership and multilateralism. The design by Ms. Shrestha Majumdar is featured on the commemorative stamp. Additionally, artworks by Ms. Anshika Jain and Ms. Rollie Sharma have been selected for the First Day Cover and Brochure. This initiative reflects young India's commitment to peace, unity, and sustainable global progress.

The Department of Posts is proud to release a commemorative stamp celebrating 80 years of the United Nations. This stamp symbolises India's commitment to global cooperation, peace, and the shared ideals of the United Nations over eight decades.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Shri Suresh Kumar
Text:	:	Referenced from the content provided by the Ministry of External Affairs



संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक माना जाता है। भारत का यूएन के साथ निरंतर प्रगाढ़ होते संबंध लक्ष्यों को प्राप्त करने और वैश्विक समुदाय के सम्मुख आने वाली चुनौतियों से निपटने में बहुपक्षवाद और संवाद को सर्वाधिक महत्व देने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित है।

पूर्व में, डाक विभाग क्रमशः वर्ष 1954, 1985, 1995 और 2020 में संयुक्त राष्ट्र की 9वीं, 40वीं, 50वीं और 75वीं वर्षगांठ पर स्मारक डाक–टिकट जारी कर चुका है। इसके अलावा, डाक विभाग और 'संयुक्त राष्ट्र डाक प्रशासन' ने मिलकर वर्ष 2016 में 'यूएन वुमेन ही फॉर शी सॉलिडेरिटी मूवमेंट' हेतु संयुक्त रूप से डाक टिकट जारी किए थे। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र डाक प्रशासन ने वर्ष 2018 में दीपावली पर स्मारक डाक–टिकट और वर्ष 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर नियत डाक–टिकट जारी किए थे।

भारत और यूएन, बहुपक्षवाद और संवाद के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और इन्हें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अत्यंत आवश्यक घटक मानते हैं। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते तथा संयुक्त राष्ट्र के एक सक्रिय सदस्य के रूप में, भारत ने शांति स्थापना और शांति कायम रखने, सतत विकास, गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन से निपटने, निःशस्त्रीकरण, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, पलायन के साथ–साथ साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हाल के वर्षों में, संयुक्त राष्ट्र में भारत की भागीदारी का दायरा बढ़ा है। वर्ष 2025 में, भारत ने नई दिल्ली में ''विकासशील देशों (ग्लोबल साउथ) की महिला शांतिरक्षकों का सम्मेलन'' की मेजबानी की, जिसमें 35 देशों की महिला शांतिरक्षकों ने भाग लिया और शांति अभियानों में लैंगिक–समावेशिता पर विस्तृत चर्चा की। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। आज तक, 2,90,000 से अधिक भारतीय शांतिरक्षक 50 से अधिक मिशनों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

भारत और संयुक्त राष्ट्र के प्रगाढ़ संबंधों में आए उल्लेखनीय पड़ाव निम्नवत हैं:

•1945: भारत ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर किए

•1948: भारत ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का समर्थन किया

•1950: भारत पहली बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए निर्वाचित हुआ

•1973: भारत ने जैविक हथियार संधि पर हस्ताक्षर किए

•1980: भारत ने महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए

•1993: भारत ने रासायनिक हथियार संधि पर हस्ताक्षर किए

•2000: भारत ने सहस्राब्दी घोषणा को अंगीकार किया

•2007: महात्मा गांधी की जयंती अर्थात 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया गया

•2014: 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया

•2015: भारत ने 17 सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन किया और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते का अनुसमर्थन किया

•2021–22: विधि–पालनकर्ता लोकतंत्र और वैश्विक साझा संसाधनों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का आठवां कार्यकाल

विश्व मंच पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात 'विश्व एक परिवार है' के मूल सिद्धांत पर आधारित भारत का आचरण, संयुक्त राष्ट्र में भी प्रबल रूप से प्रतिध्वनित होता है। कोविड–19 महामारी के दौरान, भारत ने 150 से अधिक देशों को आवश्यक दवाएं और टीके उपलब्ध कराकर अपने इस सिद्धांत की पुष्टि की। सितंबर, 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में, भारत ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रत्येक सदस्य देश, जो इस विश्व को एक बेहतर स्थान बनाने में योगदान कर सकता है, उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र के अस्सी वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, डाक विभाग ने विदेश मंत्रालय और 'MyGov' के साथ मिलकर 'डाक टिकट डिजाइन प्रतियोगिता' का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 7.4 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया और वैश्विक नेतृत्व तथा बहुपक्षवाद के संबंध में भारत के दृष्टिकोण को रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की। सुश्री श्रेष्ठा मजूमदार द्वारा तैयार किए गए डिजाइन को स्मारक डाक टिकट पर जगह दी गई है। इसके अलावा, सुश्री अंशिका जैन और सुश्री रोली शर्मा की कलाकृतियों को प्रथम दिवस आवरण और विवरणिका के लिए चुना गया है। यह पहल शांति, एकता और सतत वैश्विक प्रगति के प्रति युवा भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डाक विभाग, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गौरव का अनुभव करता है। यह डाक–टिकट वैश्विक सहयोग, शांति और पिछले आठ दशकों से संयुक्त राष्ट्र के साझा आदर्शों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आभार :

डाक टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे : श्री सुरेश कुमार

पाठ : विदेश मंत्रालय से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500p
मुद्रित डाक टिकटें	:	205686
Stamps Printed	:	205686
मुदिण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00